पंजीकृत संख्या 72/54–55 ।। वन्दे मातरम्।। Tel. 0141-2377799
Website: www.rssrashtriya.org E- mail: rss.rashtriya@gmail.com

राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

कार्यालय : 82, पटेल कॉलोनी, गवर्नमेन्ट प्रेस के पास, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर–302001
संरक्षक : सर्वश्री नानक कुन्दनानी, संतोष चन्द्र सुराणा, श्यामसुन्दर शर्मा, चौथमल सनाढ्य, राजनारायण शर्मा, उमराव लाल वर्मा
(Regd. & Recognised by Govt. & Affiliated to ABRSM, AIPTF, AISTF, E.I.) & राज. राज्य कर्मचारी महासंघ

प्रहलाद शर्मा, अध्यक्ष, मो. 9414056109
रामावतार शर्मा, सभाध्यक्ष, मो. 9166616080
देव लाल गोचर, महामंत्री, मो. 9414403756

क्रमांक : 906 दिनांक : 16.05.2017

श्रीमान् शिक्षामंत्री महोदय,
राजस्थान सरकार, जयपुर।

विषयः– आवासीय प्रशिक्षण शिविरों के सम्बन्ध में।

महोदय,

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत 15 मई 2017 से आयोजित किये जा रहे सेवारत शिक्षकों के आवासीय प्रशिक्षण शिविर में प्रथम दिन पर्याप्त भौतिक सुविधाओं के अभाव के कारण (शौचालय, स्नानागार, पंखे, कूलर एवं जनरेटर की अपर्याप्त संख्या, भोजन एवं अल्पाहार में अव्यवस्था) सम्पूर्ण राजस्थान के शिविर में भाग लेने वाले शिक्षिका एवं शिक्षक शिविर समाप्ति के पश्चात् अपने–अपने घर चले गये।

सर्व शिक्षा अभियान के आयुक्त श्रीमान् जोगाराम द्वारा शिविर छोड़कर जाने वाले शिक्षकों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही कर 17 C.C. के नोटिस दिये जाने का आदेश जारी किया गया है जो शिक्षकों को प्रताड़ित करने का एवं उन पर दमनचक्र चलाये जाने का सूचक है। संगठन सरकार के इस आदेश का उग्र विरोध करता है।

पूर्व में आप श्रीमान् द्वारा एवं श्रीमान् शिक्षा सचिव महोदय द्वारा संगठन को यह अवगत कराया गया था कि शिक्षक शिविर में विलम्ब से आते है तथा जल्दी चले जाते है इसलिये आवासीय शिविर आयोजित किये जा रहे है। अब जब शिविर में बायोमैट्रिक मशीन द्वारा उपस्थिति करवाई जा रही है तो इस प्रकार देर से आने तथा जल्दी जाने की संभावना नहीं रह जाती, ऐसी स्थिति में रात्रि में रूकने की बाध्यता युक्तिसंगत नहीं है जबकि विभाग शिविरार्थियों के लिये पर्याप्त भौतिक सुविधाओं की व्यवस्था भी नहीं कर पा रहा है।

राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) आपसे अनुरोध करता है कि शिक्षकों को प्रताड़ित करने के आदेश को तत्काल वापस लिया जाये तथा शिक्षकों को रात्रि में रूकने की बाध्यता से मुक्त किया जाये अन्यथा संगठन को विवश होकर अपने आन्दोलन को उग्र करने हेतु बाध्य होना होगा।

भवदीय

(प्रहलाद शर्मा)
प्रदेशाध्यक्ष